Curriculum and Credit Framework
As per NEP 2020

For

(To be effective from the Academic Session)

Pages 01 to 68

UNDER- GRADUATE PROGRAMME HINDI
(Single Major)

Gurugram University, Gurugram

(A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

Scheme of Programme

(Scheme UG A2: Undergraduate Programmes (Single Major)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A1	हिंदी नाटक	240/HIN/CC101	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A2	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	240/HIN/CC102	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A3	राष्ट्रीय काव्यधारा	240/HIN/CC103	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-1	हिंदी भाषा एवं व्यावहारिक व्याकरण	240/HIN/MI101	1	1		1	1		2	15	35			50
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-1	हिंदी भाषा और लिपि	240/HIN/MD101	2	1		2	1		3	25	50			75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-1	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -1	240/HIN/AE101	1	1		1	1		2	15	35			50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-1	**रेडियो लेखन**	240/HIN/SE101	2	1		2	1		3	15	35	5	20	75

Value-added Course(s)														
VAC-1	हिंदी साहित्य एवं नैतिकता	240/HIN/VA101	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									**24**					**600**

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A4	हिंदी उपन्यास	240/HIN/CC204	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A5	कंप्यूटर और हिंदी भाषा	240/HIN/CC205	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A6	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	240/HIN/CC206	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-2	राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी	240/HIN/MI202	1	1		1	1		2	15	35			50
Multidisciplinary Course(s)														

MDC-2	सोशल मीडिया और हिंदी	240/HIN/MD202	2	1		2	1		3	25	50			75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-2	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -2	240/HIN/AE202	1	1		1	1		2	15	35			50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-2	हिंदी भाषा और विज्ञापन	240/HIN/SE202	2	1		2	1		3	15	35	5	20	75
Value-added Course(s)														
VAC-2	पर्यावरण और हिंदी साहित्य	240/HIN/VA202	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									**24**					**600**

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A7	मध्यकालीन हिंदी कविता	240/HIN/CC307	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A8	कहानी साहित्य	240/HIN/CC308	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A9	हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	240/HIN/CC309	2	1		2	1		3	25	50			75
Minor/ Vocational Course(s)														

MIC-3	व्यवसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा	240/HIN/MI303	3	1		3	1		4	30	70			100
MDC-3	हिंदी भाषा और रोजगार	240/HIN/MD303	2	1		2	1		3	25	50			75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-3	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -3	240/HIN/AE303	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									**20**					525

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A10	काव्यांग परिचय	240/HIN/CC410	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A11	आधुनिक हिंदी कविता	240/HIN/CC411	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A12	**हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज ,अवधी और हरियाणवी**	240/HIN/CC412	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														

MIC4/VOC -1	हिंदी के प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं/ **ब्लॉग लेखन एवम कंटेंट लेखन**	240/HIN/MI404 240/HIN/VO401	3	1		3	1		4	30	70			100
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-4	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -4	240/HIN/AE404	1	1		1	1		2	15	35			50
Value-added Course(s)														
VAC-3	**रामचरित मानस में मानवीय मूल्य**	240/HIN/VA403	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									**20**					**500**

Semester 5

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A13	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	240/HIN/CC513	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A14	निबंध साहित्य	240/HIN/CC514	3	1		3	1		4	30	70			100

CC-A15	विशेष लेखक: प्रेमचंद , जयशंकर प्रसाद , आचार्य रामचंद्र शुक्ल	240/HIN/CC515	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-5/ VOC-2	प्रूफ रीडिंग	240/HIN/VO502	3	1		3	1		4	30	70			100
Skill Enhancement Course(s)														
Internshi p									4					100
Total Credits									**20**					**500**

Semester 6

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A16	निबंध लेखन	240/HIN/CC616	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A17	विशिष्ट कवि : निराला, कबीरदास, सूरदास , अज्ञेय ,बिहारी	240/HIN/CC617	3	1		3	1		4	30	70			100

CC-A18	हिंदी का सर्जनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप	240/HIN/CC618	2	1		2	1		3	25	50			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-6/ VOC - 3	**ध्वनि कार्यक्रम निर्माण**	240/HIN/VI603	3	1		3	1		4	30	70			100
MIC - 7/ VOC - 4	**फिल्म अध्ययन**		3	1		3	1		4	30	70			100
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-3	पत्रकारिता	240/HIN/SE603	2	1		2	1		3	15	35	5	20	75
Total Credits									**22**					**475**

Nature of Work	Course Credits	Contact hours per week	Contact hours per semester (15 weeks)
Lecture	01	01	15
Tutorial per paper	01	01	15
Practical, Seminar, Internship, field practice/project, or community engagement, etc.	01	02	30

Note: Tutorial batch size (UG programme: 20-25, PG Programme: 12-15)

The distribution of credits among the lectures/tutorial/practicum will be as follows:

Courses	Total Credits	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	MARKS			
					TI	TE	PI	PE
Only Theory	4	3 (3 hrs)	1	-	30	70	-	-
	3	2 (2 hrs)	1	-	25	50	-	-
	2	1	1	-	15	35	-	-
Theory and Practicum	4	3 (3 hrs)	-	1 (2 hrs)	25	50	5	20
	4 (Where pract. is dominant)	2 (2 hrs)	-	2 (4 hrs)	15	35	15	35
	3	2 (2 hrs)	-	1 (2 hrs)	15	35	5	20
	2	1	-	1 (2 hrs)	5	20	5	20
When Practicum is separate course	2	-	-	2 (4 hrs)	-	-	15	35
	3	-	-	3 (6 hrs)	-	-	25	50
	4	-	-	4 (8 hrs)	-	-	30	70
AEC/VAC	2	2 (2 hrs)			15	35	-	-
SEC	3	2 (2 hrs)		1 (2 hrs)	15	35	5	20

	2	1		1 (2 hrs)	5	20	5	20
DSE	4	3 (3 hrs)		1 (2 hrs)	25	50	5	20
Minor/VOC	4	2 (2 hrs)		2 (4 hrs)	15	35	15	35
Internship	4	--	--	4 (8 hrs)			30	70

L= Lecture; T= Tutorial, P= Practicum; Ti= Theory Internal Assessment; TE= Theory End Semester Examination;
PI= Practicum Internal; PE= Practicum End Semester examination

24d/HIN/CC301

सेमेस्टर – 3

CCA7- मध्यकालीन हिंदी कविता

पूर्णांक – 100

आतंरिक मूल्यांकन – 30

लिखित – 70

पाठयक्रम उद्देश्य : -

मध्यकालीन हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।

-मध्यकालीन हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान कराना।

परिणाम:-
मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना।
-मध्यकालीन हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना।

<u>पाठयक्रम</u> :

खंड – क : भक्तिकालीन काव्य कलाप- संपादक डॉ राम सजन पांडे , प्रकाशक- खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज, रोहतक , मोबाइल नंबर -9991708080

<u>पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न</u> :

- कबीर का समाजसुधारक रूप
- सूरदास का वात्सल्य वर्णन
- तुलसी का समन्वयवाद
- तुलसी की सार्थकता

खंड – ख रीतिकालीन काव्य कुंज - संपादक डॉ राम सजन पांडे , प्रकाशक खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज,रोहतक, मोबाइल नंबर- 9991708080

<u>पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :</u>

- केशव का आचार्य
- केशव का काव्य वैशिष्ट्य
- देव का काव्य - वैशिष्ट्य

- देव का अभिव्यक्ति विधान
- भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
- सिद्ध कीजिए कि भूषण युग के प्रवर्तक कवि हैं

निर्देशः-

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित भक्तिकालीन हिंदी कविता और रीतिकालीन हिंदी कविता में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खंड में से (भक्ति काल तथा रीतिकाल) से दो दो अवतारों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा

2 पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है प्रत्येक आलोचनात्मक प्रशन के लिए सात अंक निर्धारित है पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा

3 भक्ति काल हिंदी कविता तथा रीतिकाल हिंदी कविता एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुउत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खंड में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा

240/HIN/CC302

सेमेस्टर-3

CCA8-कहानी साहित्य

पूर्णांक – 100

आतंरिक मूल्यांकन – 30

लिखित – 70

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- कहानियों के माध्यम से समाज और संस्कृति की जानकारी देना।
- कहानियों के माध्यम से छात्र को समाज से जोड़ना।

पाठ्यक्रम परिणाम -

- कहानियों के माध्यम से समाज के संबंधों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।
- 2) कहानियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास करना ।

पाठ्यक्रम :

खंड – क प्रतिनिधि कहानियां, संपादक डॉ. रोहिणी अग्रवाल

निर्धारित कहानियां - शतरंज के खिलाड़ी - प्रेमचंद खंड 2 से

- जाहनवी- जैनेंद्र खंड 3 से
- डाची – अश्क - खंड 3 से
- परिंदे- निर्मल वर्मा खंड 5 से
- कस्बे का आदमी – कमलेश्वर खंड चार से
- खेल-खिलौने, राजेंद्र यादव खंड 5 से
- अमृतसर आ गया- भीष्म साहनी खंड 7 से
- बहिर्गमन- ज्ञान रंजन खंड 7 से
- आपकी छोटी लड़की- ममता कालिया खंड 6 से
- त्रिशंकु - मन्नू भंडारी खंड 6 से
- अपना रास्ता लो बाबा – काशीनाथ सिंह खंड 9 से
- अतिथि देवो भव - अब्दुल्ला बिस्मिल्लाह: खंड 10 से
- मलबा - मंजुल भगत खंड 10 से
- प्रमोशन - ओमप्रकाश वाल्मीकि खंड 11 से

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :- निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे|

निर्देश:

- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से आठ अवतरण"दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 आलोचनात्मक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।
- पूरे पाठयक्रम से 9 वस्तुनिष्ठ प्रंश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

240/HIN/CC303

सेमेस्टर – 3

CCA9-हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

पूर्णांक- 75

आतंरिक मूल्यांकन – 25

लिखित – 50

पाठयक्रम उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठयक्रम परिणाम:

- साहित्य इतिहास के ग्रंथों का अध्ययन करना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

पाठयक्रम: खंड – क : आधुनिककाल काव्य का इतिहास

- आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
- भारतेंदु युगीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां
- द्विवेदी युगीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां
- छायावाद की प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद की प्रवृत्तियां
- प्रयोगवाद की प्रवृत्तियां
- नई कविता की प्रवृत्तियां
- समकालीन कविता की प्रवृत्तियां

खंड – ख आधुनिक काल : गद्य का विकास

- हिंदी नाटक: उद्भव और विकास
- हिंदी एकांकी: उद्भव और विकास
- हिंदी निबंध: उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास
- हिंदी कहानी :उद्भव और विकास

- हिंदी आलोचना :उद्भव और विकास
- हिंदी आत्मकथा ;उद्भव और विकास
- हिंदी जीवनी : :उद्भव और विकास

निर्देश:

1.पाठ्यक्रम मे निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जायेगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 6 होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड मे से कम से कम एक प्रश्न अर्थात कुल तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 30 अंको का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमे से परीक्षार्थी को 200 शब्दों मे किन्ही 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 15 अंको का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

Rajat Mukerji

240/HIN/MI30/

सेमेस्टर – 3

MIC3-व्यवसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा

अधिकतम अंक:**100**

लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक मूल्यांकन: **30**

Course Code	Course Title	Course ID
MIC-3	व्यवसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा-3	240/HIN/MI303

पाठयक्रम उद्देश्य :

भाषिक संप्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतो से विद्यार्थियों का परिचय।

विभिन्न माध्यमों की जानकारी ।

प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व।

रोजगार संबंधी क्षेत्रो के लिए तैयार करना।

पाठयक्रम परिणाम :-

-स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

- भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

पाठयक्रम :-

खंड : क भाषिक संप्रेषण :स्वरूप और प्रक्रिया

1: संप्रेषण की अवधारणा

2: संप्रेषण की प्रक्रिया

3: संप्रेषण के विभिन्न मॉडल

खंड: ख- व्यवसायिक संप्रेषण एवं प्रेजेंटेशन

1: व्यवसायिक संप्रेषण का महत्त्व

2: व्यवसायिक संप्रेषण की विशेषता

3: प्रेजेंटेशन अथवा विशेषता

4: व्यवसायिक भाषा एवम संप्रेषण मे तकनीकी का महत्त्व (ई-मेल, टेक्स्ट मैसेज , वीडियो कांफ्रेंसिंग, सोशल नेटवर्किंग, ई - कम्युनिकेशन

खंड: ग - व्यवसायिक लेखन: विविध रूप

1: व्यवसायिक पत्र लेखन

2:रिपोर्ट लेखन और ज्ञापन

3: नोटिस, मिनट्स, एजेंडा , नौकरी के लिए पत्र लेखन

<u>सन्दर्भ पुस्तकें</u>:# हिंदी का सामाजिक संदर्भ: रविंद्रनाथ श्री वास्तव

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग: वी. आर. जगन्नाथ

#भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

भाषीय अस्मिता और हिंदी : रविंद्रनाथ श्री वास्तव

निर्देश :1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

Prof. Mukerji

240/HIN/MD302

सेमेस्टर- 3

MDC-3 हिंदी भाषा और रोजगार

अधिकतम अंक:**75**

लिखित परीक्षा:**50**

आंतरिक निर्धारण:25

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1 स्नातक स्तर के छात्रों को रोजगार की समझ और उससे से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

2 हिंदी भाषा और रोजगार के अनेकों आयाम की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. रोजगार संबंधी क्षेत्रो के लिए तैयार करना।
2. विद्यार्थियों को उनके करियर की दिशा मे मार्ग दर्शन मिलना।

इकाई 1-

1. अनुवाद और अनुवाद के क्षेत्र में करियर
2. पत्रकारिता और जनसंचार
3. शिक्षण और शिक्षा क्षेत्र में रोजगार
4. सरकारी सेवाओं में हिंदी का उपयोग
5. हिंदी में स्वतंत्र लेखन और प्रकाशन

इकाई 2: हिंदी में लेखन कौशल

1. रचनात्मक लेखन
2. तकनीकी लेखन
3. पत्रकारिता लेखन
4. व्यावसायिक लेखन

इकाई 3: डिजिटल युग में हिंदी

1. हिंदी और सोशल मीडिया
2. हिंदी ब्लॉगिंग और कंटेंट क्रिएशन
3. हिंदी में ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग
4. हिंदी भाषा में ऐप और वेबसाइट डवलपमेंट
5. . हिंदी में व्यावसायिक संचार और प्रबंधन

निर्देश:

1.पाठ्यक्रम मे निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जायेगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 6 होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड मे से कम से कम एक प्रश्न अर्थात कुल तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 30 अंको का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमे से परीक्षार्थी को 200 शब्दों मे किन्ही 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 15 अंको का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

240/HIN/AE301

सेमेस्टर 3 **अधिकतम अंक:50**

AEC3-हिंदी भाषा एवम संप्रेषण-3 **लिखित परीक्षा:35**

आंतरिक निर्धारण:15

पाठ्यक्रम उद्देश्य एंव परिणाम :

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

2 भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई:क

1) भाषायी दक्षता का महत्त्व

2)भाषायी दक्षता के आयाम: श्रवण, वाचन, पाठन,लेखन

3)भाषायी दक्षता के कारक तत्व: भाषिक संरचना की समझ, भाषा व्यवहार, भाषिक प्रयोग , शैली,

4)भाषिक संस्कृति (आयु, लिंग , शिक्षा, वर्ग)

इकाई: ख

1) आंगिक, ध्वन्यात्मक एवं अशाब्दिक संप्रेषण -अर्थ स्वरूप एवं महत्व

2)आंगिक संप्रेषण के प्रकार

3)आंगिक, ध्वन्यात्मक एवं अशाब्दिक संप्रेषण की सीमाएं

4)आंगिक, ध्वन्यात्मक और अशाब्दिक संप्रेषण - वाक , समय और लेखन की बचत का आधार

इकाई: ग

1)हिंदी भाषा और मौखिक संप्रेषण

2) मौखिक संप्रेषण के विविध रूप-जन संप्रेषण/ भाषण,समूह संप्रेषण, साक्षात्कार,वाद- विवाद

3)मौखिक संप्रेषण - उच्चारण , लय , गेयता, आरोह- अवरोह आदि का महत्व

संदर्भित पुस्तकें:

हिंदी का सामाजिक संदर्भ: रविंद्रनाथ श्री वास्तव

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग: वी. आर. जगन्नाथ

#भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

भाषीय अस्मिता और हिंदी :रविंद्रनाथ श्री वास्तव

प्रिर्देश:

1) "इकाई क" में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2)"इकाई ख" में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3)"इकाई ग" में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4) पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

240/HIN/CC401

सेमेस्टर- 4

CC-A10-**काव्यांग परिचय**

पूर्णांक :100

आतंरिक मूल्यांकन :30

लिखित :70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A10	काव्यांग परिचय	240/HIN/CC410

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. काव्य के विभिन्न अंगो से परिचित कराना।

2. हिंदी काव्यागों के क्रमिक विकास और प्रमुख कवियों के योगदान का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र हिंदी काव्यागों के विभिन्न अंगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

2. छात्र हिंदी काव्यागों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण निर्मित कर सकेगें|

<u>पाठयक्रम -</u> निर्धारित विषय

<u>खंड क</u> – काव्य-भेद

1) महाकाव्य 2) खंडकाव्य 3) गीतिकाव्य

<u>खंड - ख</u> विविध गद्य विधाएं

1) उपन्यास

2) कहानी

3) नाटक

4) निबंध

खंड -ग

- **रस :** रस का स्वरूप , रस के अवयव , रस के भेद तथा रसों का सोदाहरण परिचय
- **अलंकार :** अलंकार का स्वरूप,अलंकार का महत्व, अलंकार वर्गीकरण तथा प्रमुख अलंकारों का उदाहरण परिचय- अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति , समासोक्ति, अतिशयोक्ति, संदेह, विरोधाभास, विभावना, मानवीकरण
- **छंद** : छंद का स्वरूप, छंद का वर्गीकरण, प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय- दोहा, चौपाई, बरवै, सोरठा, कुण्डलिया, छप्पय, सवैया, घनाक्षरी, स्वच्छंद तथा मुक्तक छंद
- **काव्य गुण**: परिभाषा और स्वरूप, काव्य गुण के भेद- प्रसाद, माधुर्य ओजगुण
- **शब्द शक्तियाँ**: परिभाषा, स्वरूप एवं भेद- अभिधा,लक्षणा और व्यंजना

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है| पूरा खंड 32 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा|

240/HIN/CC402

सेमेस्टर – 4

CCA11-आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक :100

आतंरिक मूल्यांकन :30

लिखित :70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A11	आधुनिक हिंदी कविता	240/HIN/CC411

पाठयक्रम उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान कराना।

पाठयक्रम परिणाम :

- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना।
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना।

पाठयक्रम :आधुनिक काव्य प्रत्यय (छायावादी हिंदी कविता और छायावादोत्तर हिंदी कविता)

-संपादक डॉक्टर रामसजन पांडे, प्रकाशक- खाटू श्याम प्रकाशन,वर्ष 1276/4, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज, रोहतक

निर्धारित कवि और उनकी कविताएं

खंड – क छायावादी हिंदी कविता :

- जयशंकर प्रसाद- हिमाद्रि तुंगश्रंग से, जाग री, मेरे नाविक, आह! वेदना मिली विदाई, सौंदर्य।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - भारती वंदना, बसंत आ गया है, जागो फिर एक बार, बादल राग , ध्वनि गहन है यह अंधकार, स्नेह निर्झर बह गया।

- सुमित्रानंदन पंत – तप रे ! ताज द्रुत झरो, भारत माता यह धरती कितना देती है|
- महादेवी वर्मा - धीरे-धीरे उतर क्षितिज, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पथ होने दो अपरिचित, जब यह दीप थके, यह मंदिर का दीप|

खण्ड ख: छायावादोत्तर हिंदी कविता - निर्धारित कवि और उनकी कविताएं

1)सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय – आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूंद, पानी बरसा, बावरा अहेरी, हिरोशिमा, सोनमछली, नदी के द्वीप

2)धर्मवीर भारती - नवंबर की दोपहर, उत्तर नहीं है,संक्रांति, गौरिक वाणी,निर्माण योजना,टूटा पहिया

3)नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूं, वह दंतुरित मुस्कान, सोनिया समंदर , अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य

4)दुष्यंत कुमार – कहाँ तो तय था चराग़ाँ हर एक घर के लिये, कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं, ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा होगा, भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ आज सड़कों पर लिखे हैं सैकड़ो नारे ना देख, बाढ़ की संभावनाएं सामने है|

5)कुंवर नारायण- चक्रव्यूह, ये पक्तियां मेरे निकट, जब आदमी- नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, कविता, पुनश्च

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न : पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य संवेदना तथा अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित प्रश्न ही पूछे जाएंगे|

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|

Dipti Mukerji

- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

240/HIN/CC403

सेमेस्टर- 4

CC-A12-हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज, अवधी और हरियाणवी

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन- 30
लिखित – 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A12	**हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज ,अवधी और हरियाणवी**	240/HIN/CC412

पाठ्क्रम उद्देश्य :

- हिंदी के मौखिक साहित्य की अवधारणा से परिचित हो सकेगे|
- हिंदी के विस्तृत लोक साहित्य का अध्ययन कर सकेगे|

पाठयक्रम परिणाम :

- हिंदी के मौखिक साहित्य से परम्परा, प्रथाओं और अतीत से परिचित हो सकेगें|
- छात्र लोक साहित्य के प्रति रूचि का विकास कर सकेगे|

पाठयक्रम :

- **खंड क** - मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध - लोक साहित्य के विविध रूप- लोकगीत, लोककथा, लोककथाएं, लोकनाट्य, लोकोक्तियां|
- **खंड ख**- पहेलियां, बुझौवल और मुहावरे, हिंदी क्षेत्र की जनदीप बोलियां और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक समाज|
- हरियाणवी लोकगीत, वाचिक और मुद्रित
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य (शंकर लाल यादव)
- **खंड ग** - प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं, आल्हा, सारंग|
- **खंड घ**- लोकनाट्य,विभिन्न विधाएं व शैलियां- विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्य रूप और बोलियां, रामलीला मालवा का नाच, राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला|

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निर्धारित है| पूरा खंड 32 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा | प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा

Hyd. Mum

240/HIN/MI401

सेमेस्टर – 4

MIC4-हिंदी की प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं

पूर्णांक – 100

आतंरिक मूल्यांकन – 30

लिखित – 70

Course Code	Course Title	Course ID
MIC04	**हिंदी की प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं**	240/HIN/MI404

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

पत्रकारिता की मूल अवधारणाओं को समझाना।

छात्रों को समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, और फीचर लेखन की तकनीकों में प्रशिक्षित करना।

छात्रों को पत्रकारिता नैतिकता, प्रेस कानून, और मीडिया के सामाजिक उत्तरदायित्वों के बारे में शिक्षित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. समाचार और लेखन की समझ : छात्र समाचार, फीचर, और संपादकीय लेखन की तकनीक में कुशल हो जाएंगें।

2. मीडिया नैतिकता और कानून की जानकारी: छात्र पत्रकारिता नैतिकता और प्रेस कानूनों की महत्वपूर्ण समझ विकसित करेंगे।

3. मल्टीमीडिया दक्षता: छात्र प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, और डिजिटल मीडिया में कार्य करने की क्षमता हासिल करेंगे।

इस तरह के उद्देश्य और परिणाम छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं में व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पाठयक्रम :

खंड – क हिंदी की प्रमुख पत्र पत्रिकाओं का परिचय|

- हिंदी की प्रमुख संस्थाओं का योगदान|
- शिक्षा के क्षेत्र में पत्र पत्रिकाओं का महत्व|
- साहित्य में योगदान |

खंड ख – हिंदी की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं

- भारतेंदु युग की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं
- द्विवेदी युग
- छायावादी युग
- छायावादोत्तर काल

खंड ग – हिंदी की संस्कृति के प्रचार प्रसार में योगदान देने वाली प्रमुख संस्थाएं :

1. नागरी प्रचारिणी सभा (वाराणसी)
2. हिंदी साहित्य सम्मेलन(प्रयाग)
3. बिहार राष्ट्रभाषा परिषद(पटना)
4. दक्षिण भारत प्रचार समिति (चेन्नई)
5. केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा)
6. केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद(दिल्ली)
7. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग नई दिल्ली)

<u>निर्देश:</u>

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्नो का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

240/HIN/V040/

सेमेस्टर – 4

VOC1- ब्लॉग लेखन एवम कंटेंट लेखन

अधिकतम अंक:100

आंतरिक निर्धारण:30

लिखित परीक्षा:70

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1) ब्लॉग एवं विकास के साथ साथ भाषा , समाज और संस्कृति की जानकारी देना।
2) ब्लॉग के माध्यम से सामाजिक, सांकृतिक समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम परिणाम -

1) ब्लॉग लेखन और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।

2) ब्लॉग एंव कंटेंट लेखन के माध्यम से सामाजिक, सांकृतिक समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1

- ब्लॉग एंव कंटेंट लेखन का तात्पर्य
- ब्लॉग का स्वरूप
- ब्लॉग लेखन का विकास
- ब्लॉग लेखन का प्रभाव

इकाई 2

- ब्लॉग लेखन भाषा, समाज और संस्कृति
- ब्लॉग लेखन और व्यक्ति रचनात्मक
- ब्लॉग लेखन और सोशल मीडिया मे अंतर
- ब्लॉग लेखन और कंटेंट लेखन मे अंतर

इकाई 3

- **ब्लॉग लेखन और जन भागीदारी**
- **ब्लॉग लेखन के प्रकार:**

  1.साहित्यिक सांस्कृतिक

  2.शिक्षा मीडिया

  3.राजनीतिक सामाजिक

  4.खेलकूद एवम अन्य

सहायक ग्रंथ

1. **न्यू मीडिया और बदलता भारत- प्रांजलधर, कृष्णकांत, भारतीय ज्ञानपीठ, न्यू दिल्ली।**
2. **इंटरनेट जर्नलिज्म- विजय कुलश्रेष्ठ, साहित्य प्रकाश, जयपुर।**
3. **सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार- कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन।**
4. **ऑनलाइन मीडिया- सुरेश कुमार , पार्सन प्रकाशन**
5. **हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास- रविंद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेतन।**

निर्देश :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

240/HIN/AE401

सेमेस्टर 4 **अधिकतम अंक:50**

AEC4-हिंदी भाषा एवम संप्रेषण-4 **लिखित परीक्षा:35**

आंतरिक निर्धारण:15

पाठ्यक्रम उद्देश्य एंव परिणाम:

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

2 भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई:क

1हिंदी भाषा और लिखित संप्रेषण

2)लिखित संप्रेषण के विविध रूप - स्ववृत लेखन, पत्र लेखन – व्यक्तिगत, औपचारिक , सरकारी और अर्द्ध सरकारी पत्र आदि का प्रारुप

3)रचनात्मक लेखन- लेख , आलेख तथा साहित्य लेखन

इकाई (ख)

1)हिंदी भाषा और कार्यालयी तथा व्यवसायिक संप्रेषण

2)कार्यालयी लेखन - प्रेस विज्ञप्ति, टिप्पण, कार्यवाही लेखन, स्मरण पत्र लेखन

3)व्यावसायिक संप्रेषण के विविध रुप- माल- आपूर्ति आदेश एवं स्थगन , ध्यान पत्र, मांग पत्र , विज्ञापन

4)हिंदी के पारिभाषिक शब्द और संप्रेषण

इकाई (ग)

1) हिंदी भाषा और दृश्य - श्रव्य संप्रेषण

2)दृश्य एवं श्रव्य संप्रेषण के माध्यम आकाशवाणी, टेलीविजन , टेलीफोन इत्यादि

3)अभिलिखित संप्रेषण एवम सीधा संप्रेषण - आकाशवाणी संवाद , कार्यक्रम उद्घोषणा, फिल्म एवं गीत संगीत इत्यादि

संदर्भित पुस्तकें:

हिंदी का सामाजिक संदर्भ: रविंद्रनाथ श्री वास्तव

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग: वी. आर. जगन्नाथ

#भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

भाषीय अस्मिता और हिंदी :रविंद्रनाथ श्री वास्तव

प्रश्न पत्र निर्माण संबंधी निर्देश:

1) इकाई क में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) इकाई ख में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3 इकाई)ग में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4)पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

240/HIN/VA401

सेमेस्टर 4

VAC 3 - रामचरित मानस में मानवीय मूल्य

अधिकतम अंक:50

लिखित परीक्षा:35

आंतरिक निर्धारण:15

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण।
- रामचरित मानस का गहन अध्ययन द्वारा अध्यात्मिक जागरूकता
- आधुनिक संदर्भ में नैतिकता तथा समग्र विकास
- व्यक्तित्व और चरित्र विकास

पाठ्यक्रम परिणाम:

- नैतिक धार्मिक तथा गहन साहित्यिक समझ जाग्रत हुई।
- भाषायी दक्षता

<u>पाठ्यक्रम-</u>

इकाई1:

- रामचरितमानस का परिचय-
- तुलसीदास का जीवन और साहित्यिक योगदान
- रामचरितमानस की संरचना और कथानक
- मानस का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्षय

इकाई 2:

- रामचरित मानस में नैतिक मूल्य
- रामचरित मानस में मानवीय मूल्य
- नैतिकता और धर्म

- मानस के प्रमुख पात्र और उनके नैतिक आयाम
- भक्त और भगवान के रिश्ते मे नैतिकता

इकाई 3:

- रामचरित मानस में सामाजिक नैतिक मूल्य
- समाज मे न्याय और दया
- परिवार और समाज के प्रति कर्तव्य
- वर्तमान समाज मे रामचरित मानस में नैतिक मूल्य

संदर्भ पुस्तकें:

- रामचरितमानस : गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस गोरखपुर।
- रामचरित मानस का साहित्यिक और नैतिक विवेचन- डॉ. रामकुमार वर्मा
- रामचरित मानस में सामाजिक और नैतिक मूल्य- डॉ.सुरेश शर्मा
- रामायण का नैतिक दृष्टिकोण - डॉ. गोविंद चतुर्वेदी

प्रश्न पत्र निर्माण संबंधी निर्देश:

1)खंड क में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) खंड ख में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3)खंड ग में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4) पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

सेमेस्टर – 5

CC-A13-भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (साहित्यालोचन)

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A13	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	240/HIN/CC513

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न अंगो से परिचित कराना।

2. भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यागों के क्रमिक विकास और प्रमुख कवियों के योगदान का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यागों के विभिन्न अंगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

2. छात्र भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की तुलना कर विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण निर्मित कर सकेगें|

<u>पाठयक्रम</u> –

खंड क: काव्य का स्वरूप, काव्य के तत्व, काव्य के प्रयोजन, काव्य हेतु

खंड ख - भारतीय काव्य सिद्धांत,रस सिद्धांत,अलंकार सिद्धांत,रीति सिद्धांत,वक्रोक्ति सिद्धांत,ध्वनि सिद्धांत,औचित्य सिद्धांत

- **प्रमुख पाश्चात्य काव्य सिद्धांत** - प्लेटो का काव्य सिद्धांत,अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, लोंजाइनस का उदात्त तत्व, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत, रिचर्ड्स का संवेगों का संतुलन,

खण्ड घ : विविध काव्यशास्त्रीय वाद- अभिजात्यवाद, स्वछंदतावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद ,मनोविश्लेषणवाद |

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम से 8 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा|

सेमेस्टर – 5

CC-A14- निबंध साहित्य

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A14	निबंध साहित्य	240/HIN/CC514

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- निबंध की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना |
- हिंदी निबंध की विकास परंपरा का ज्ञान कराना|
- हिंदी निबंध की विविध प्रवृत्तियों के जरिए निबंध की विकास यात्रा का अध्ययन करना |

पाठ्यक्रम के परिणाम :

- निबंध लेखन की कला का विकास करना |
- प्रमुख निबंधों एवं निबंधकारों की विशेषताओं के जरिए उपन्यास और समाज के अंतर संबंध को समझना|

पाठयक्रम – खंड – क

1: निर्धारित पाठ्य पुस्तक: निबंध निकष , संपादक डॉ. रामचंद्र तिवारी, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

निर्धारित निबंध - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है - बालकृष्ण भट्ट

- कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता- महावीर प्रसाद द्विवेदी
- मजदूरी और प्रेम- अध्यापक पूर्ण सिंह
- कछुआ धर्म - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- भारत की सांस्कृतिक एकता - रामधारी सिंह दिनकर
- चेतना का संस्कार - सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन अज्ञेय
- साहित्य में चेतनाभिव्यक्ति - डॉक्टर नगेंद्र

Rajat

- सौंदर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास - डॉक्टर रामविलास शर्मा

खंड – ख

2) निर्धारित पाठ्य पुस्तक और निर्धारित निबंध -

- **अशोक के फूल** - हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- इस पुस्तक से दो निबंध – **1.अशोक के फूल 2.बसंत आ गया है**
- **विद्यानिवास मिश्र** , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद –(इस पुस्तक से दो निबंध)
  - **1. अस्ति की पुकार-हिमालय 2. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ**
- **रस आखेटक** : कुबेरनाथ राय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,दिल्ली(इस पुस्तक से दो निबंध) -
  1. हरी- हरी दूब 2. लाचार क्रोध

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न : पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों के साहित्यिक परिचय,निर्धारित निबंधों के प्रतिपाद्य, भाषा शैली पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे|

निर्देश:

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

Dipal Mukesh

सेमेस्टर – 5

विशिष्ट लेखक : विकल्प 3 : उपन्यासकार प्रेमचंद

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आतंरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक - उपन्यासकार प्रेमचंद	240/HIN/CC515

पाठयक्रम उद्देश्य :

- उपन्यास की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- प्रेमचंद और गोदान की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- प्रेमचंद के उपन्यासों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेगें|
- उपन्यासों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

<u>पाठयक्रम</u>

विशिष्ट लेखक : प्रेमचंद (रंगभूमि, गबन)

- विशिष्ट लेखक : विकल्प – 1 : उपन्यासकार प्रेमचंद
- विशिष्ट लेखक : विकल्प – 2 : उपन्यासकार जयशंकर प्रसाद
- विशिष्ट लेखक : विकल्प - 3 : निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

<u>पाठयक्रम:</u> **खंड क**

- **निर्धारित उपन्यास – रंगभूमि , गबन (प्रेमचंद)**

खंड ख

- **निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न:**
- प्रेमचंद का जीवन
- प्रेमचंद का समय
- प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य

- **निर्धारित उपन्यासों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे** : प्रतिपाद्य , चरित्र-चित्रण , युगीन समस्या-निरूपण , गांधीवादी चेतना

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 5

विशिष्ट लेखक : विकल्प 3 : नाटककार जयशंकर प्रसाद

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	**विशिष्ट लेखक -नाटककार जयशंकर प्रसाद**	240/HIN/CC515

पाठयक्रम उद्देश्य :

- उपन्यास की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- अजातशत्रु और ध्रुवस्वामिनी नाटक की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- जयशंकर प्रसाद के नाटकों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेगें||
- नाटकों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम :

खड़ क - नाटक

- अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद
- ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

खंड – ख

- प्रसाद का जीवन
- प्रसाद का समय
- प्रसाद का नाट्य साहित्य : सामान्य परिचय

खंड – ग निर्धारित नाटकों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे-

- प्रतिपाद्य,चरित्र-चित्रण ,इतिहास और कल्पना का योग ,अभिनेयता
- हिंदी नाट्य् परंपरा में प्रसाद का योगदान

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 5

विशिष्ट लेखक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक -आचार्य रामचंद्र शुक्ल	240/HIN/CC515

पाठयक्रम उद्देश्य :

- **निबंध** की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- निबंध की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- **निबंध** की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना|
- निबंध के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

पाठयक्रम - खंड क: निर्धारित पाठ्य पुस्तक

- चिंतामणि - भाग एक - रामचंद्र शुक्ल

इस पुस्तक से निम्नलिखित निबंध पाठ्यक्रम में शामिल किए गए है:

- भाव या मनोविकार
- उत्साह
- श्रद्धा भक्ति
- करुणा
- लज्जा और ग्लानि
- लोभ और प्रीति

- ईर्ष्या
- भय
- क्रोध
- कविता क्या है
- घृणा
- काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

खंड ख : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- आचार्य शुक्ल का जीवन
- आचार्य शुक्ल का युग
- आचार्य शुक्ल का निबंध साहित्य
- पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का प्रतिपाद्य और शिल्प
- हिंदी निबंध परंपरा में शुक्ल का योगदान

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 5

VOC-2- प्रूफ रीडिंग

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक निर्धारण:30

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

यह एक व्यावहारिक कोर्स है, जो नैतिकता और व्यापकता में कौशल विकसित करने के लिए है। इसका उद्देश्य छात्रों को प्रकाशन हाउसों में सफल प्रूफरीडर बनाना है, चाहे वे सार्वभौमिक हों या फ्रीलांसिंग। यह छात्रों को कस्तूरी योजना से लेकर प्रभावी लेखन में रूखे प्रतिलिपि को बदलने की अच्छी आदत से सज्जित करेगा।

पाठ्यक्रम परिणाम –

विधार्थी सामग्री में व्याकरण, टाइपोग्राफी, विराम चिह्न, वाक्यविन्यास और वर्तनी की सभी त्रुटियों को ठीक कर सकेंगे।

इकाई 1

- प्रूफ रीडिंग का अर्थ एंव परिचय
- प्रूफ रीडिंग की आवश्यकता
- प्रूफ रीडिंग और संपादन मे अंतर

इकाई 2

- प्रूफ रीडिंग का महत्त्व
- प्रूफ रीडिंग की मूलभूत बातें - त्रुटियों के प्रकार, पंजीकरण, अल्पविराम, अर्धविराम, विराम, उद्धरण चिह्न , निर्देशन चिह्न , वर्तनी विविधताएं इत्यादि।

इकाई 3

- प्रूफ रीडिंग मे रोजगार के अवसर
- बुनियादी प्रूफ रीडिंग कौशल
- प्रूफरीडिंग के मूल तत्व-कैपिटलाइजेशन **(Capitalization)** , एपोस्ट्रोफी **(Apostrophes)** , हाइफेन्स **(Hyphens)** , कॉमा और सेमीकोलन **(Commas and Semicolons)** , उद्धरण चिह्न **(Quotation**

- प्रूफरीडिंग के दौरान व्याकरण देखना - कारक, संधि , संज्ञा और सर्वनाम का संबंध इत्यादि।

निर्देशः

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

सेमेस्टर – 6

CC-A16-निबंध लेखन

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A16	**निबंध लेखन**	**240/HIN/CC616**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- निबंध की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना |
- हिंदी निबंध की विकास परंपरा का ज्ञान कराना|
- हिंदी निबंध की विविध प्रवृत्तियों के जरिए निबंध की विकास यात्रा का अध्ययन करना |

पाठ्यक्रम के परिणाम:

- निबंध लेखन की कला का विकास करना |
- प्रमुख निबंधों एवं निबंधकारों की विशेषताओं के जरिए उपन्यास और समाज के अंतर संबंध को समझना|

पाठयक्रम – खंड – क साहित्यिक और सामान्य निबंध

- साहित्य और समाज
- राष्ट्रभाषा हिंदी समस्या और समाधान
- समाजसुधारक कबीर
- लोकनायक तुलसीदास
- भक्ति काल : स्वर्ण युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- रहस्यवाद
- भ्रष्टाचार कारण और निवारण
- राष्ट्र निर्माण में नारी का योगदान
- हिंदी का विश्वव्यापी स्वरूप

Rajal Thakur

- पर्यावरण और हम
- मानवाधिकार
- भूमंडलीकरण

खड़ ख :सूक्तिपरक निबंध

- अहिंसा परमो धर्म:
- नर हो न निराश करो मन को
- दादा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया
- जहां चाह. वहां राह
- परहित सरिस धर्म नहीं भाई
- मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
- जीओ और जीने दो
- निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
- मनुष्य है वही जो मनुष्य के लिए मरे
- दैव दैव आलसी पुकारा

निर्देश:

- पाठ्यक्रम में निर्धारित खड़ क तथा ख में से चार-चार निबंध पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खंड से एक-एक निबंध लिखना होगा| प्रत्येक निबंध 35- 35 अंक का होगा| पूरा प्रश्न **70** अंक का होगा|

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि-निराला,कबीरदास,सूरदास,अज्ञेय,बिहारी

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि-निराला	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- निराला का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- आधुनिक हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- निराला की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- निराला के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठयक्रम खंड क - विशिष्ट कवि: निराला (राग- विराग)

खंड ख - निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- निराला का युग
- निराला का जीवन
- निराला की काव्य-कृतियां
- निराला बहुवस्तु स्पर्शिनी प्रतिभा के कवि
- निराला की राष्ट्रीय चेतना
- निराला का मानवतावादी दृष्टिकोण
- निराला की प्रगतिशील चेतना

Pajal

- निराला की लंबी कविताएं : संवेदना और शिल्प
- निराला की गीति योजना
- निराला की काव्य भाषा
- निराला का मुक्तछंद
- निराला की भाषा
- निराला का अभिव्यक्ति सौष्ठव

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा | प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि-कबीरदास

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	**विशिष्ट कवि- कबीर**	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- कबीर का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- कबीर की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- कबीर के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठयक्रम : खंड क

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ श्यामसुंदर दास

निर्धारित साखी और पद :

साखी गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, विरह कौ अंग ,चितावणी कौ अंग|

पद- 1,2,3, 11, 21,23,24, 32, 33, 34, 37, 38, 39, 40, 41, 42 ,43, 44, 45, 46, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56,57, 60, 61, 63,64, 65,78, 80, 84, 89,91, 92,99,100, 111, 113,114,117, 120, 129,150

खंड ख - निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न : कबीर का युग,कबीर का जीवन,कबीर का साहित्य,कबीर की सामाजिक चेतना,कबीर की दार्शनिक चेतना,कबीर का मानवतावादी दृष्टिकोण,कबीर की भक्ति भावना,कबीर का रहस्यवाद,कबीर की भाषा,कबीर का कला पक्ष |

Rajat

कबीर साहित्य से प्रमुख पारिभाषिक शब्द - उन्मनी, नाद , बिंदु, आकाश|

<u>निर्देश :</u>

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 8 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि - सूरदास

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- सूरदास	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- सूरदास का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम : मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|

- सूरदास की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- सूरदास के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठयक्रम : खंड – क निर्धारित पाठ्य पुस्तक

- सूरदास- भ्रमरगीत सार, संपादक - रामचंद्र शुक्ल,
  (पद संख्या – 21 से 121 - 101 पद)

खड़ ख - निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न - सूर का युग,सूर का जीवन, सूर का साहित्य, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का श्रृंगार वर्णन, सूर की भक्ति भावना,सूर का सौंदर्यबोध,सूर की दार्शनिक चेतना, सूर का प्रकृति चित्रण, सूर की गीति योजना,सूर की काव्य-भाषा|

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| | प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि – अज्ञेय

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	**विशिष्ट कवि- अज्ञेय**	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- आधुनिककालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- आधुनिककालीन का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- आधुनिककालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- अज्ञेय की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- अज्ञेय के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठयक्रम खंड क – निर्धारित पाठयपुस्तक – अज्ञेय , संपादक विद्यानिवास मिश्र|

खड् ख - निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- अज्ञेय का जीवन
- अज्ञेय का युग
- अज्ञेय की काव्य-कृतियां
- प्रयोगवादी काव्य परंपरा में अज्ञेय
- असाध्यवीणा : संवेदना और शिल्प
- अज्ञेय की काव्य संवेदना
- अज्ञेय का प्रकृति वर्णन
- अज्ञेय की काव्य भाषा
- अज्ञेय का शिल्प विधान

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तक तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि - बिहारी

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- बिहारी	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- बिहारी का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- बिहारी की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- बिहारी के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठयक्रम : खंड क - निर्धारित पाठय – पुस्तक -बिहारी सतसई,संपादक - जगन्नाथ दास "रत्नाकर"

- **निर्धारित दोहे एक से लेकर 100 तक**

खंड – ख निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

– बिहारी की बहुज्ञता, बिहारी का काव्य सौष्ठव ,बिहारी का नारी चित्रण, बिहारी की सौन्दर्य चेतना/ भावना, बिहारी की श्रृंगार भावना ,बिहारी काव्य का कला-पक्ष, बिहारी काव्य प्रकृति चित्रण, बिहारी काव्य में विरह योजना ,बिहारी काव्य में अलंकार योजना, बिहारी काव्य में भाषा का स्वरूप

निर्देश :-

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तक तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

Rajat

सेमेस्टर – 6

CC-A18-हिंदी का सृजनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप

अधिकतम अंक:75

लिखित परीक्षा:50

आंतरिक मूल्यांकन :25

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A18	हिंदी का सृजनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप	240/HIN/CC618

पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं परिणाम–

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

2 भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम - खंड क व्यावहारिक हिंदी

- भाषा व्यवहार,सरकारी पत्राचार
- टिप्पणी तथा मसौदा लेखन
- सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र- लेखन
- हिंदी भाषा में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

खंड ख - रचनात्मक लेखन

- अर्थ निर्मिति के आधार - शब्दार्थ मीमांसा, शब्द के प्राक – प्रयोग, नव्य प्रयोग, भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय वर्ग-सापेक्ष, समूह सापेक्ष
- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन कविता : संवेदना काव्य रूप,भाषा-सौष्ठव, छंद , लय, गति व तुक , कथा साहित्य, वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म|

खण्ड ग: विविध गद्य विधाएं – निबंध, संस्मरण, व्यंग्य

- बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

खंड घ - सूचना तंत्र के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम : पुस्तक समीक्षा, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम, रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

निर्देश :

1.पाठ्यक्रम मे निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जायेगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 6 होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड मे से कम से कम एक प्रश्न अर्थात कुल तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 30 अंको का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमे से परीक्षार्थी को 200 शब्दों मे किन्ही 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 15 अंको का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

सेमेस्टर – 6

VOC-3 - ध्वनि कार्यक्रम निर्माण

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक निर्धारण:30

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- विद्यार्थियों को ध्वनि की बुनियादी वैज्ञानिक और तकनीकी अवधारणाओं से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों की सर्जनात्मकता को बढ़ावा देना । ध्वनि निर्माण किस प्रकार किया जाए।

पाठ्यक्रम परिणाम:

- विद्यार्थियों को उनके करियर की दिशा मे मार्ग दर्शन मिलना।
- ध्वनि उत्पादन के नैतिक और कानूनी पहलुओं से परिचय।

पाठ्यक्रम

इकाई 1:

- ध्वनि की प्रकृति
- ध्वनि तरंगें और उनकी विशेषताएं
- आवर्ती और आयाम

इकाई 2:

- ध्वनि उत्पादन (निर्माण) उपकरण
- माइक्रोफोन के प्रकार
- मिक्सर और ऑडियोइंटरफेस
- स्पीकर और हेडफोन

इकाई 3:

- ध्वनि रिकॉर्डिंग तकनीक
- स्टूडियो सेटअप

Rajat

- **माइक्रोफोन प्लेसमेंट**
- **रिकॉर्डिंग सॉफ्टवेयर**

संदर्भ पुस्तके: (अनुदित -अंग्रेजी से हिंदी)

1. **द मिक्सिंग इंजीनियर्स हेड बुक- बॉबी ऑक्सिसिंग**
2. **मास्टरिंग ऑडियो - द हार्ट एंड द साइंस - बॉब काटज़**
3. **मॉडर्न रिकॉर्डिंग टेक्निक्स- डेविड माइल्स हुबर एंड रॉबर्ट E. रेंस्टन**

निर्देश:

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

सेमेस्टर – 6

VOC 4 - फिल्म अध्ययन

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक निर्धारण:30

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- सिनेमा के तत्वों एवं कथा तकनीकों से परिचित कराना एवं सिनेमा के विभिन्न आंदोलनों का परिचय देना।
- सिनेमा निर्माण प्रक्रिया की समझ विकसित करना।
- सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

- सिनेमा की भाषा एवं विजुअल्स की समझ विकसित होगी।
- सिनेमा संबंधी तकनीकी कौशल का विकास होगा।
- फिल्मों में अंतर्निहित समाज एवं संस्कृति के अंतरसंबंधों के विश्लेषण में दक्ष होंगे।
- भारतीय सिनेमा की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।

<u>पाठ्यक्रम</u>

इकाई 1: सिनेमा सामान्य परिचय :

- हिन्दी सिनेमा की इतिहास यात्रा, स्वतंत्रता पूर्व – स्वतंत्रोत्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण के दौर का सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा
- सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट्स के आधार पर) का अध्ययन

इकाई 2:सिनेमा, समाज और संस्कृति

- राष्ट्रीय चेतना और हिंदी सिनेमा

- लोक संस्कृति, सिनेमा और जन मनोविज्ञान
- क्षेत्रीय हिंदी सिनेमा - भोजपुरी, हरियाणवी, राजस्थानी बोलियों का सिनेमा

इकाई 3 : सिनेमा तकनीक:

- सिनेमा में पटकथा, अभिनय, संवाद, ध्वनि, संगीत, नृत्य, निर्देशन, कैमरा, लाइट, और स्पेशल इफेक्ट्स तकनीक
- भारतीय सिनेमा में गीत, संगीत और नृत्य की भाषा
- एनीमेशन, ऑफ बीट, ओटीटी प्लेटफॉर्म और वेब सिनेमा

इकाई 4 : दी गई फिल्मों में से किसी एक फिल्म की समीक्षा कीजिए:
राजा हरिश्चंद्र, मदर इंडिया, दो बीघा ज़मीन, शहीद, दंगल, मैरीकॉम, स्वदेश, दादा लखमी

निर्देश:

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

पाठ्य-पुस्तकें (Recommended Readings):

- सत्यजीत राय का सिनेमा : चिदानन्द दास गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, प्रकाशन
- भारतीय सिनेमा का सफ़रनामा : डॉ. पुनीत बिसारिया, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली
- फिल्में कैसे बनती हैं : हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन
- सिनेमा की सोच : अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन

सेमेस्टर – 6

SEC-3 - पत्रकारिता

अधिकतम अंक:50

लिखित परीक्षा:35

आंतरिक निर्धारण:15

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

1. पत्रकारिता की मूल अवधारणाओं को समझाना

2. छात्रों को समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, और फीचर लेखन की तकनीकों में प्रशिक्षित करना।

3.छात्रों को पत्रकारिता नैतिकता, प्रेस कानून, और मीडिया के सामाजिक उत्तरदायित्वों के बारे में शिक्षित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. समाचार और लेखन की समझ: छात्र समाचार, फीचर, और संपादकीय लेखन की तकनीकों में कुशल हो जाएंगे।

2. मीडिया नैतिकता और कानून की जानकारी: छात्र पत्रकारिता नैतिकता और प्रेस कानूनों की महत्वपूर्ण समझ विकसित करेंगे।

3. मल्टीमीडिया दक्षता: छात्र प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, और डिजिटल मीडिया में कार्य करने की क्षमता हासिल करेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई एक :पत्रकारिता परिचय स्वरूप व विभिन्न आयाम

- पत्रकारिता एक परिचय
- उद्देश्य
- पत्रकारिता की प्रकृति
- स्वरूप व विभिन्न आयाम

इकाई दो : विश्व पत्रिका का संक्षिप्त इतिहास एवं विदेशों में पत्रकारिता

- विश्व पत्रकारिता का इतिहास
- विदेश में पत्रकारिता
- आजादी से पूर्व विदेश में हिंदी पत्रकारिता

इकाई तीन :भारतीय पत्रकारिता हिंदी पत्रकारिता के परिपेक्ष में

- 20वीं सदी की हिंदी पत्रकारिता
- स्वतंत्रयोत्तर हिंदी पत्रकारिता
- समसामयिक पत्रकारिता

संदर्भ:

1) रायट, रमेश चंद्र: पत्रकारिता एक परिचय ,भाग 1 वेंचर पब्लिकेशन , देहरादून ,उत्तराखंड ।

2) तिवारी अर्जुन आधुनिक पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1994

निर्देश:

1)**इकाई 1** में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) **इकाई 2** में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3)**इकाई 3** में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4) पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।